आप जानते हैं... मैं उस पल को महसूस कर रहा था। जब मैं पिच पर गया क्योंकि उस पिच ने हमें ये दिया। हमने उस विशेष पिच पर खेला और हमने गेम जीता, वह विशेष मैदान भी। मैं अपने डीवन में उस मैदान और उस पिच को हमेशा याद रखूंगा। - रोहित शर्मा

भारतीय कप्तान, टी-20 वर्ल्ड कप जीतने की खुशी में भावुक होने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मनु भाकर

हरियाणा की रहने वाली युवा निशानेबाज मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक गेम्स में क्वालीफाई करने में सफलता प्राप्त की है। युवा अवस्था में ही मनु भाकर रैंकिंग के माध्यम से भारत की शूटिंग स्टार बन गई। मनु भाकर की, हरियाणा के झज्जर में जन्मीं मनु भाकर ने स्कूल के दिनों में टेनिस, स्केटिंग और मुक्केबाजी मुकाबलों में हिस्सा लिया। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाली थान टा नामक एक मार्शल आर्ट में भी भाग लिया। भाकर पिछले 7 साल से शूटिंग कर रही हैं। वह ओलिंपिक 2020 का हिस्सा रह चुकी हैं।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेयिा के मध्य 1877 में मेलोबर्न में खेला गया। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो फूट-फूटकर रोने लगे

नई दिल्ली, 2 जुलाई। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रविवार को जर्मनी में यूरो कप 2024 राउंड ऑफ 16 मैच के पुर्तगाल और स्लोवेनिया मैच में पेनल्टी से गोल दागने में चूक गए, जिसके

बाद वह रोहित हुए दिखाई दिए। रोनाल्डो अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए और रोने लगे। उनकी मां, मारिया को भी स्टैंड में रोते हुए देखागया था क्योंकि वह असहाय रूप से अपने सुपरस्टार बेटे की कोई मदद करने में असमर्थ थीं। हालांकि, इस दौरान रोनाल्डो की टीम ने उन्हें सपोर्ट किया। बता दें कि, रोनाल्डो अगर ये पेनल्टी गोल करने में कामयाब हो जाते तो पुर्तगाल मैच जीतने के लिए एक मजबूत स्थिति में आ जाती। उन्होंने खेल के आखिरी मिनटों में बढ़त दिलाने की कोशिश की जिसमें वह असफल रहे। दोनों टीमें एक्स्ट्रा टाइम में भी गोल करने में असफल रही थीं जिसके बाद नतीजा निकालने के लिए मैच पेनल्टी शूट आउट में गया। यहां पर रोनाल्डो का आत्मविश्वास झलका क्योंकि एक बार पेनल्टी मिस करने के बाद वह पेनल्टी शूट आउट के दौरान पुर्तगाल की तरफ से पेनल्टी लेने वाले पहले खिलाड़ी के रूप में आए और इस बार उन्होंने बॉल को गोल में डाल दिया। पुर्तगाल ने 3-0 से पेनल्टी शूट आउट अपने नाम कर ली। इसी के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल के लिए भी पुर्तगाल ने 3-0 से पेनल्टी शूट आउट अपने नाम कर ली। इसी के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। अब 6 जुलाई को क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल का सामना फ्रांस से होने वाला है।

टीम इंडिया टी-20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे रवाना

नई दिल्ली, 2 जुलाई। जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया मंगलवार की सुबह मुंबई से रवाना हुई। भारत को जिम्बाब्वे दौरे पर पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला 6 जुलाई को हरारे में खेला जाएगा। टी-20 वर्ल्ड कप के बीच जिम्बाब्वे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया था। टीम का कप्तान शुभमन गिल को बनाया गया है। टी-20 वर्ल्ड कप खेलने गई टीम के कुछ खिलाड़ी भी इस टीम में शामिल हैं। हालांकि, वह इस वक्त बारबाडोस में तूफान की वजह से फंसे हैं, लेकिन बाकी जो खिलाड़ी भारत में ही थे वह हेड कोच वीवीएस लक्ष्मण (सिर्फ इस टूर के लिए) के साथ जिम्बाब्वे के लिए रवाना हो गए। अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर टीम की रवाना होने की कुछ फोटोज भी शेयर की हैं। बारबाडोस में फंसे खिलाड़ियों में यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे और संजू सैमसन शामिल हैं। ये खिलाड़ी भारत आने के बाद जिम्बाब्वे जाएंगे ।

राजस्थान की टीम कराटे प्रतियोगिता में देश में तीसरे स्थान पर

उदयपुर, 2 जुलाई। राजस्थान के उदयपुर में वीएसकेएफ एकेडमी की ओर से आयोजित हुई दूसरी महाराणा प्रताप नेशनल कराटे चैंपियनशिप में राजस्थान की टीम ने 17 स्वर्ण सहित 33 पदक प्राप्त कर देश में तीसरे स्थान पर रही। राजस्थान के निदेशक संजू सिंह ने बताया कि राजस्थान के खिलाड़ियों ने 17 स्वर्ण पदक के साथ 33 पदक अर्जित किये। पदक विजेताओं में सीनीयर वर्ग में .राजकुमार सेन ने कुमिते में स्वर्ण, कमलेश सेन ने कुमिते में रजत,क्रेडिट वर्ग आदित्य सिंह ने कुमिते में स्वर्ण,दक्ष चांडालिया ने कुमिते में रजत, अक्षय लोगनथन ने कुमिते में रजत पदक प्राप्त किया। इसी प्रकार सब जूनियर वर्ग में समिष्टा गहलोत ने कुमिते में स्वर्ण, काता में स्वर्ण, हिया चंडालिया ने कुमिते में स्वर्ण, संभवी लोगनथन ने कुमिते में स्वर्ण, हितांशी धरावत ने स्वर्ण, दिवित ने कांस्य, सोहित ने स्वर्ण, अरांश असावा ने स्वर्ण, मितांश दांगी ने स्वर्ण, परमदेव एस. चुंडावत एवं तुषांक ने रजत, अक्षित सोमानी ने रजत व काता में कांस्य, परी चतुर्वेदी ने सोना, देवांश टाटावत ने रजत, प्रिंस साहू ने कूमिते व काता में, कशिश टाटावत ने कुमिते स्वर्ण व काता में कांस्य, मनन ने कुमिते मे स्वर्ण व काता में कांस्य पदक प्राप्त किया।

मरे ने विंबलडन में एकल स्पर्धा से नाम लिया वापस

लंदन, 2 जुलाई। तीन बार के ठौंड स्लैम चैंपियन और ब्रिटेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे ने मंगलवार को विंबलडन चैंपियनशिप में पुरुष एकल स्पर्धा से अपना नाम वापस ले लिया है। मरे आज यहां विंबलडन में पुरुष एकल स्पर्धा से अपने नाम वापस लेने की पुष्टि की। ऑल इंग्लैंड क्लब में चेक खिलाड़ी टॉमस मचैक के खिलाफ खेलने के लिए बेल्जियम के डेविड गोफिन मरे की जगह लेंगे। मरे की टीम यहां जारी एक बयान में कहा, दुर्भाग्य से, एक सप्ताह पहले अपने ऑपरेशन के बाद से अपनी रिकवरी पर अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत करने के बावजूद एंडी ने इस वर्ष एकल नहीं खेलने का बहुत कठिन निर्णय लिया है।

तूफान के कारण बारबाडोस में फंसी टीम इंडिया के वतन वापसी की राह खुली

चार्टर्ड फ्लाइट से आज लौटने के आसार

बारबाडोस, 2 जुलाई टीम इंडिया तूफान बेरिल की वजह से बारबाडोस में फंसी हुई है। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में रोमांचक जीत के अगले दिन टीम इंडिया को वापसी करनी थी, लेकिन तूफान के कारण टीम इंडिया भारत के लिए रवाना नहीं हो सकी। रिपोर्ट के मुताबिक, टीम इंडिया को चार्टर्ड फ्लाइट से वापस लाएगी।

सूत्रों के अनुसार टीम के ब्रिजटाउन से शाम 6 बजे स्थानीय समयानुसार (3 जुलाई, 3:30 भारतीय समयानुसार) रवाना होने और बुधवार को शाम 7.45 बजे (भारतीय समयानुसार) दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। यहां पहुंचने के बाद खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सम्मानित किया जाएगा, लेकिन उस कार्यक्रम की अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया मोटली ने बताया कि मैं वास्तव में एयरपोर्ट के स्टाफ के संपर्क में हूं और वे अब अपनी अंतिम जांच कर रहे हैं। और हम जल्द सामान्य फ्लाइट्स फिर से शुरू करना चाहते हैं।

शतरंज के आखिरी चार दौर में प्रज्ञानानंदा और गुकेश लगायेंगे शीर्ष पर पहुंचने का जोर

नई दिल्ली, 2 जुलाई। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा और डी गुकेश सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में एक दिन के विश्राम के बाद जब छठे दौर के अपने-अपने मुकाबल में उतरेंगे तो तालिका में शीर्ष पर पहुंचने के लिए उन्हें आखिरी के चार दौर में अपने खेल के स्तर को और ऊंचा उठाना होगा। नौ दौर के टूर्नामेंट में पांच दौर के बाद दोनों भारतीय तीन-तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। अमेरिका के फैबियानो कारूआना उनसे आधा अंक आगे तालिका में शीर्ष पर है। फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा और मैक्सिम वाचिएर-लाठोव, रूस के इयान नेपोम्नियाचची और अमेरिक के वेस्ले सो 2.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। यह चारों खिलाड़ी नीदरलैंड के अनीश गिरी और उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव से आधा अंक आगे हैं। स्थानीय खिलाड़ी डीक बोगदान-डेनियल 1.5 अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं। प्रज्ञानानंदा टूर्नामेंट में अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रहे है और बेहतर स्थिति में होने के बावजूद उन्होंने कुछ मुकाबलों को ड्रॉ खेला है। छठे दौर में उनके सामने रोमानिया के बोगदान-डेनियल की चुनौती होगी। प्रज्ञानानंदा को इस मुकाबले में जीत का दावेदार माना जा रहा है क्योंकि वह सफेद मोहरों के साथ खेलेंगे। विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर गुकेश के सामने छठे दौर में वाचिएर-लाठोव की चुनौती होगी। इस दौर में गुकेश काले मोहरों से खेलेंगे।

सुमित नागल पहले दौर से हुए बाहर, सर्बिया के खिलाड़ी ने दी मात

नई दिल्ली, 2 जुलाई। टेनिस के सबसे पुराने टूर्नामेंट के 137वें एडिशन का आगाज हो चुका है। इस बार भारत की तरफ से पुरुषों के सिंगल इवेंट में स्टार खिलाड़ी सुमित नागल को भी खेलने का मौका मिला। मेन ड्रॉ में जगह बनाने वाले नागल को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा, जिसमें उन्हें सर्बिया के खिलाड़ी मिओमिर केकेमनोविक ने मात दी। 48 मिनट तक चले इस मुकाबले में कुल 4 सेट का खेल हुआ जिसमें नागल को तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा। सुमित नागल जिन्होंने पिछले महीने ही पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई किया था उनके खेल में इस मैच में बिलकुल भी निरंतरता देखने को नहीं मिली।

इस मुकाबले को लेकर बात की जाए तो सुमित नागल को सर्बिया के खिलाड़ी मिओमिर केकेमनोविक से पहले सेट में 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद नागल ने दूसरे सेट में शानदार तरीके से वापसी करने के साथ उसे 6-3 से अपने नाम किया और मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट में सुमित नागल ने बेहतर खेल तो दिखाया लेकिन उन्हें 3-6 से मात मिली तो अंतिम सेट भी काफी रोमांचक रहा हालांकि नागल इसे 4-6 से गंवा बैठे और उन्हें विम्बलडन 2023 में पुरुषों के सिंगल इवेंट के पहले राउंड से ही बाहर होना पड़ा।

चीन के बैडमिंटन खिलाड़ी की कोर्ट में मौत

जकार्ता, 2 जुलाई। चीन के किशोर बैडमिंटन खिलाड़ी झांग झिजी की खेल के दौरान अचानक हृदयाघात से मौत हो गई। बीबीसी की आज जारी रिपोर्ट के अनुसार झांग झिजी की बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप में खेल के दौरान गिर गये, बाद में खिलाड़ी को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सको ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार इंडोनेशिया के बैडमिंटन एसोसिएशन अखिल इंडोनेशिया बैडमिंटन संघ ने कहा कि खिलाड़ी को खेलते समय दिल का दौरा पड़ा। देरी उपचार को लेकर अधिकारियों ने तीखी आलोचना हो रही है। पीबीएसआई के प्रवक्ता ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि मेडिकल टीमों को खेल के नियम के अनुसार कोर्ट में प्रवेश करने से पहले रेफरी की अनुमति की आवश्यकता होती है इसलिए मेडिकल टीम तुरन्त कोर्ट में नहीं पहुँच सकी। उन्होंने कहा कि पीबीएसआई अब महासंघ से इस नियम का पुनर्मूल्यांकन करेगा ताकि इस तरह की परिस्थिति तुरंत कार्रवाई जा सके।

वॉन और फ्लिंटॉफ के बेटे अंडर-19 में इंग्लैंड के लिए एक साथ कर सकते हैं डेब्यू

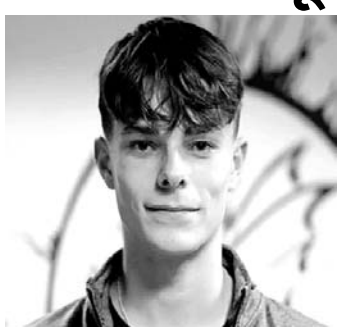

नई दिल्ली, 2 जुलाई। इंग्लैंड के माइकल वॉन और एंड्रयू फ्लिंटॉफ की जोड़ी के अपने टेस्ट करियर को समाप्त करने के पंद्रह साल बाद उनके बेटों के श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों से आयु वर्ग स्तर पर पारंपरिक प्रारूप में अपनी यात्रा शुरू करने की उम्मीद है। पूर्व एशेज विजेता इंग्लैंड के कप्तान वॉन के बेटे आर्ची वॉन को मंगलवार को 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया जिसमें 16 वर्षीय रॉकी फ्लिंटॉफ भी शामिल हैं जिन्होंने पहले ही युवा एकदिवसीय मुकाबलों में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कर लिया है। टीम में पारिवारिक संबंध साफ नजर आते हैं।

इंग्लैंड के मौजूदा लेग स्पिनर रेहान के भाई फरहान अहमद और इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जो डेनली के 17 वर्षीय भतीजे जेडन डेनली को भी टीम में जगह मिली है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज और ऑफ स्पिनर 18 वर्षीय आर्ची ने इस सत्र की शुरुआत में अपने पहले पेशेवर अनुबंध में समरसेट का प्रतिनिधित्व किया। वह 2020 से टॉनटन में काउंटी के अकादमी ढांचे का हिस्सा रहे हैं। आर्ची को हालांकि अब तक समरसेट की शीर्ष टीम से खेलने का मौका नहीं मिला है।

पिछले हफ्ते आयु वर्ग स्तर पर उन्होंने इंग्लैंड अंडर-19 एकदिवसय टीम के खिलाफ अभ्यास मैच में यंग लायंस आमंत्रण एकादश के लिए 83 गेंदों में 85 रन बनाकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। दाएं हाथ के ऑलराउंडर रॉकी इंग्लैंड की टीम के लिए 106 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 में हार के बाद पद छोड़ना चाहते थे राहुल द्रविड़

नई दिल्ली, 2 जुलाई। भारत ने साउथ अफ्रीका को हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब 29 जून को अपने नाम र दिया है। लेकिन अभी तक इसकी खुशी टीम इंडिया के साथ-साथ पूरे देशवासियों के चेहरे पर नजर आ रही है। टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल भी इस टूर्नामेंट के साथ खत्म हो गया है। अब वह भारतीय टीम के हेड कोच नहीं रहे हैं। बीसीसीआई ने राहुल द्रविड़ का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि, पिछले साल ऑस्ट्रेलिया से वनडे वर्ल्ड कप 2023 हारने के बाद वो अपना पद छोड़ना चाहते थे, लेकिन रोहित शर्मा की एक कॉल ने सबकुछ बदल दिया। बीसीसीआई टीवी पर राहुल द्रविड़ ने रोहित शर्मा को लेकर कहा कि, थैंकू यू रो, मुझे नवंबर में वो कॉल करने के लिए और मुझे रुकने के लिए कहने के लिए। मुझे लगता है कि टीम इंडिया में हर एक शख्स के साथ काम करना गर्व की बात है, मैं हर एक शख्स के लिए शुक्रगुजार हूं लेकिन रो तुमको शुक्रिया अपना इतना समय देने के लिए एक कप्तान के तौर पर। कई बार हमने बात की, हमनें कई चीजों पर चर्चा की, कई बातों पर हम सहमत थे, कई बातों पर हम एक- दूसरे से सहमत नहीं थे, लेकिन इन सबके बाद तुमको बहुत-बहुत शुक्रिया।

भारतीय सेना से रोवर बलराज पंवार ने रचा इतिहास

चुंगजू, 2 जुलाई । बलराज पंवार ने पेरिस ओलंपिक के लिए नौकायन में भारत का पहला कोटा हासिल कर लिया है। 25 वर्षीय भारतीय सेना के नौकायन खिलाड़ी ने दक्षिण कोरिया के चुंगजू में आयोजित 2024 विश्व एशियाई और महासागरीय ओलंपिक और पैरालंपिक क्वालीफिकेशन रेगाटा में पुरुषों की एकल स्कल स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करके यह उपलब्धि हासिल की। पंवार, जो पिछले वर्ष चीन में एशियाई खेलों में अपने पहले प्रयास में कांस्य पदक से चूक गए थे, ने 2000 मीटर की दौड़ 7 मिनट और 1.27 सेकंड के सराहनीय समय में पूरी करके अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे उन्होंने ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है।

हरियाणा के कैमला गांव के रहने वाले बलराज पंवार हमेशा से ही खेलों के प्रति आकर्षित रहे हैं, लेकिन रोइंग में उनका सफर अप्रत्याशित रूप से शुरू हुआ। गुरुवार को भारतीय ओलंपिक संघ और रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित एक मीडिया इंटरेक्शन में उन्होंने कहा, ''मैं 2018 में भारतीय सेना में शामिल हुआ और वहीं रोइंग से मेरा परिचय हुआ।''

सैमसन, जायसवाल और शिवम दुबे की जगह अन्य 3 खिलाड़ियों को मिला मौका

नई दिल्ली, 2 जुलाई। भारतीय टीम के जिम्बाब्वे दौरे के लिए पुरुष चयन समिति ने पहले दो टी20आई के लिए संजू सैमसन, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल को टीम से बाहर कर दिया है। अब इन तीन खिलाड़ियों की जगह साई सुदर्शन, जितेश शर्मा और हर्षित राणा को टीम में पहले दो टी20 मैच के लिए शामिल किया गया है।

दरअसल, मौजूदा समय में सैमसन, जायसवाल और दुबे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के साथ बारबाडोस में ही हैं। मौसम खराब होने के कारण ये खिलाड़ी स्वदेश नहीं लौट पाए, जिस कारण इन तीनों की जगह बोर्ड ने साई सुदर्शन, जितेश शर्मा और हर्षित राणा को मौका दिया है। 22 वर्षीय बल्लेबाज सुदर्शन भारत के लिए तीन वनडे खेल चुके हैं, जिसमें 63.50 की औसत से 127 रन बनाए। उन्होंने दिसंबर 2023 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वहीं 30 वर्षीय जितेश शर्मा ने 9 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 100 रन बनाए हैं। उन्होंने पिछले साल अक्टूबर में डेब्यू किया था। वहीं, 22 वर्षीय हर्षित राणा पहली बार भारतीय टीम में चुने गए हैं।

लगातार दूसरी बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले भारतीय नाविक बने विष्णु सरवनन

नई दिल्ली, 2 जुलाई। भारत के प्रतिभाशाली नाविक विष्णु सरवनन ने लगातार दूसरी बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के साथ ही इतिहास रच दिया है। विश्व चैंपियनशिप में पेरिस खेलों के लिए कट बनाने के बाद उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। विश्व चैंपियनशिपस्थित आर्मी यॉटिंग नोड के 24 वर्षीय खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया में -7 विश्व चैंपियनशिप में 152 प्रतिभागियों में से 26वां स्थान हासिल करके आगामी पेरिस खेलों के लिए क्वालीफिकेशन हासिल किया। विष्णु ने प्रतियोगिता 174 के स्कोर के साथ समाप्त की और मानक नियम के अनुसार, एक दौड़ में उनका सबसे कम स्कोर 49 घटा दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप उनका शुद्ध स्कोर 125 रहा। उनकी कई अन्य उपलब्धियों में से विष्णु 2019 अंडर-21 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता हैं।

24 फरवरी, 1999 को तमिलनाडु के वेल्लोर शहर में जन्मे, विष्णु सरवनन कम उम्र में ही नौकायन से रूबरू हो गए थे। उनके सेवानिवृत्त सैनिक पिता रामचंद्रन सरवनन ने उन्हें इस खेल से परिचित कराया था, जो एक पूर्व नाविक थे और इस खेल को पेशेवर रूप से आगे बढ़ाने में असमर्थ थे। हालांकि, उन्होंने अपने दोनों बच्चों विष्णु और राम्या में कुछ हुनर देखा और उनको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विष्णु ने नौ साल की उम्र में आर्मी यॉटिंग नोड, मुंबई में अपने पिता के मार्गदर्शन में नौकायन सीखा। जब विष्णु 17 वर्ष के थे, तब उन्हें 2015 में मद्रास इंजीनियर्स ग्रुप (एमईजी) ब्वॉयज़ स्पोर्ट्स कंपनी द्वारा एक कैडेट के रूप में चुना गया था।

ओलंपिक खेलों के इतिहास में घुड़सवारी में पहली बार उतरेगा भारत

नई दिल्ली, 2 जुलाई। भारत ने पेरिस ओलंपिक के लिए घुड़सवारी में अपना पहला कोटा हासिल कर लिया है। भारत को यह कोटा अनुश अग्रवाल ने ड्रेसेज स्पर्धा में दिलाया है। अनुश ने एफईआई के चार स्पर्धाओं व्रोकला, पोलैंड (73.485), क्रोनेनबर्ग, नीदरलैंड्स (74.4), फ्रैंकफर्ट जर्मनी (72.9) और मेकलेन, बेल्जियम (74.2) में अपने प्रदर्शन के आधार पर यह कोटा हासिल किया। घुड़सवारी में कोटा देश का होता है और पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ी का चयन ईएफआई करेगा। 24 साल के अनुश अग्रवाल एशियाई खेलों के पदक विजेता घुड़सवार हैं। उन्होंने पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में ऐतिहासिक व्यक्तिगत ड्रेसेज में कांस्य पदक जीते थे।

23 नवंबर 1999 को कोलकाता, भारत में जन्मे अनुश अग्रवाल अब घुड़सवारी खेलों की दुनिया में एक उल्लेखनीय व्यक्ति बन गए हैं। एशियाई खेलों में उनकी हालिया जीत ने इस युवा और प्रतिभाशाली सवार को सुर्खियों में ला दिया है, जिससे वह अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी परिदृश्य में एक उभरता हुआ सितारा बन गया है। अनुष अग्रवाल का एक साधारण वीकेंड राइडर से लेकर एक अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी स्टार बनने का सफ़र किसी प्रेरणा से कम नहीं है। उनके माता-पिता ने उन्हें कोलकाता के टॉलीगंज क्लब में 3 साल की छोटी सी उम्र में घुड़सवारी से परिचित कराया था। उन्हें शायद ही पता था कि यह परिचय उनके बेटे में ऐसा जुनून जगाएगा जो उन्हें विश्व मंच पर ले जाएगा।

8 साल की उम्र में, उन्होंने औपचारिक घुड़सवारी की शिक्षा लेनी शुरू की और जल्दी ही स्थानीय बच्चों के कार्यक्रमों में भाग लेने लगे। उनके सपने स्थानीय प्रतियोगिताओं से आगे बढ़ गए; वह एशियाई खेलों और ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित खेल आयोजनों में भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहते थे। इस सपने को पूरा करने के लिए, वह 11 साल की उम्र में नई दिल्ली चले गए, साथ ही उन्होंने ला मार्टिनियर फॉर बॉयज़ में अपनी शिक्षा का प्रबंधन भी किया। उनकी कड़ी मेहनत का फल उन्हें 2014 में प्रतिष्ठित दिल्ली हॉर्स शो में रजत और स्वर्ण पदक के रूप में मिला। 16 साल की उम्र में, उन्हें उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के लिए अरावली के श्री राम स्कूल में दाखिला मिल गया।

मास्टर्स कप की मेजबानी करेगा हॉकी इंडिया

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को पहली बार पुरुष और महिला वर्ग के 40 वर्ष से अधिक आयु वाले अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों के आयोजित होने वाले मास्टर्स कप टूर्नामेंट की मेजबानी करने की घोषणा की। हॉकी इंडिया मास्टर्स कप अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों के जुनून और कौशल के जश्न मनाने का जरिया है। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य पूर्व खिलाड़ियों को एक साथ अपने पसंदीदा खेल से फिर से जोड़ा है। हॉकी इंडिया से संबद्ध सभी राज्य सदस्य इकाइयां इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने के लिए पात्र हैं और टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए सभी पात्र अनुभवी खिलाड़ियों अपनी संबंधित सदस्य इकाइयों से संपर्क करना होगा।